हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, मंगलवार 15 अप्रैल 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

निवास में तहसील स्तरीय पेंशनर्स स्नेह सम्मेलन सम्पन्न

मण्डला। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएषन म.प्र. जिला शाखा मण्डला की तहसील निवास में तहसील अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार परोंहा के जुझारू नेतृत्व में पेंशनर्स का स्नेह मिलन समारोह रसलगंज स्थित यज्ञ शाला परिसर में संरक्षक जगदीश तिवारी के मुख्य आतिथ्य, उपप्रांताध्यक्ष सहजिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद सुरेश्वर, सचिव बलराम पाल, कोषाध्यक्ष एस.एन. अली, चीफ एडवाईजर यशवंत डिके, महाराजपुर इकाई अध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव व वरिष्ठ पेंशनर श्याम जयसवाल के विशिष्ठ आतिथ्य में आयोजित किया गया। मंच का प्रभावी संचालन रविकुमार गौतम व तारेन्द्र शुक्ला के द्वारा किया गया। माँ सरस्वती व पवनसुत हनुमान का पूजन-अर्चन मंचासीन अतिथियों के द्वारा किया गया। तहसील अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार परोंहा ने अपने प्रतिवेदन के माध्यम से यह अवगत कराया कि उनके कार्यकाल में 94 पेंशनरों को आजीवन सदस्य बनाया गया तथा पेंशनरों के हितों के लिए किये जाने वाले आंदोलनों के लिये वे सतत्तैयार रहते हैं। पेंशनर खोजन सिंह कुलस्ते ने बताया कि 30 जून को निवास से सेवा निवृत्त 4 पेंशनरों के प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय के द्वारा निराकृत किये गये किन्तु जनजातीय कल्याण विभाग की उदासीनता का यह परिणाम है कि 1 वर्ष बीत जाने के बाद भी विभागीय आदेश जारी नहीं किये गये हैं। पेंशनर राजेन्द्र शुक्ला ने सेवा निवृत्त होने वाले कर्मचारियों के स्वतों के निराकरण के लिए कार्यालय के चक्कर लगाने हेतु मजबूर होना पड़ता है कि वेदना से अवगत कराया। प्रदीप श्रीवास्तव, यशवंत डिके व विनोद सुरेश्वर ने भी अपने उद्बोधन के माध्यम से पेंशनरों को संगठन के प्रति अटूट निष्ठा, समर्पण की उपादेयता से अवगत कराया गया।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने किया नमन

जिलेवासियों ने मनाई डॉ. अम्बेडकर जी की जयंती

*** अम्बेडकर जी की प्रतिमा के सामने हुआ आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके और सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने सोमवार को संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर जिला मुख्यालय मंडला में स्थित डॉ. अम्बेडकर की स्मारक स्थल पर पहुंचकर पुष्पांजली अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा, नगरपालिका मंडला अध्यक्ष विनोद कछवाहा, नगर भाजपा अध्यक्ष श्री शिवा रानू राजपूत सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने सदैव समाज के कमजोर, पिछड़े एवं वंचित वर्गों के अधिकारों और उनके उत्थान के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने सामाजिक भेदभाव और असामनता जैसी कुरूतियों को समाप्त करने के लिए संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर के विचार हमें समानता, न्याय और बंधुत्व की राह पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उनके पदचिन्हों में चलकर हम समतामूलक एवं न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने सामाजिक समरसता, न्याय, भाईचारा, बंधुत्व और संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जो हमारी आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा देती है। हमें डॉ. अम्बेडकर के मार्ग पर चलकर उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए।

बिछिया भाजपा ने शक्ति केन्द्रों पर आयोजित किए संविधान निर्माता भीमराव अम्बेडकर जयंती पर कार्यक्रम

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी मंडला के जिलाध्यक्ष प्रफुल मिश्रा एवं भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष बिछिया नीरज भट्ट के नेतृत्व मे सोमवार को भाजपा मंडल बिछिया के प्रत्येक शक्ति केंद्र पर कार्यक्रम आयोजित कर उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया और श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

शक्ति केंद्र खटोला के बूथ क्रमांक 209 मे भाजपा के मंडल महामंत्री बिछिया नरेश सिंह राजपूत की उपस्थिति में संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित एवं तिलक बंधन कर पूजन किया गया। कार्यक्रम मे उपस्थित बूथ अध्यक्ष सुब्बे लाल मरावी, अमृतलाल मरावी, वार्ड मेंबर कृष्णा धुर्वे, राजा राम कुसरे, सुरजीत धुर्वे, प्रेम सिंह तेकाम, बिहारीलाल उईके , समारो बाई, धनिया बाई, लाल सिंह तेकाम, खन्ना मरावी, संतोष परतें आदि उपस्थित रहे।

बालिका जन्म उत्सव मनाकर लाड़ली लक्ष्मी का स्वागत किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला चिकित्सालय मण्डला में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग शालिनी तिवारी के मार्गदर्शन में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक मधुलिका उपाध्याय द्वारा बालिका जन्म उत्सव मनाकर लाड़ली लक्ष्मी का स्वागत किया गया। बालिका हेतु धात्री माता को बेबी किट बांटी गई एवं उपस्थित धात्री माताओं को स्तनपान का महत्व समझाया गया। बच्चों के लिये मां का पहला दूध अमृत होता है इसलिये जन्म के तुरंत बाद स्तनपान और 6 माह तक बच्चों को केवल स्तनपान कराने के बारे में जागरूक किया। इस प्रकार स्तनपान करवाकर ही प्रथम स्तर पर कुपोषण की रोकथाम की जा सकती है। साथ ही पोषण अभियान अंतर्गत धात्री माताओं को आंगनबाड़ी केन्द्र से प्राप्त टीएचआर (टेक होम राशन) के विभिन्न व्यंजनों को किस प्रकार बनाकर खाया जाये इसके बारे में जानकारी दी गई। तत्पश्चात प्रशासक/पर्यवेक्षक द्वारा आस-पास से आये हुये लोगों को बाल विवाह रोकने हेतु समझाइश दी गई। बाल विवाह से जुड़ी सामाजिक कुरीतियों और बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के अनुसार 21 वर्ष कम आयु का लड़का और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का विवाह बाल विवाह माना जाता है जिसमें जेल एवं आर्थिक दण्ड का प्रावधान है। इसके अलावा पॉक्सो एक्ट में कड़ी कार्यवाही भी की जाती है। इस प्रकार अधिनियम के तहत दोषी पाये जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति जो विवाह समारोह में शामिल होते हैं या सहयोग करते हैं। सभी के लिये उचित दण्ड का प्रावधान है, जिसमे माता-पिता के अलावा पुजारी, मौलवी, रिश्तेदार, बिचौलिये, केटरिंग, टेंट, नाई, ब्यूटी पार्लर, विवाह आयोजक, बैंड, प्रिंटिंग प्रेस वाले भी शामिल हो सकते हैं। बाल विवाह में पकड़े गये दोषियों को 2 वर्ष का कारावास एवं 1 लाख तक का जुर्माना या सजा दोनों हो सकता है।

झील महोत्सवः रोमांच, प्रकृति और संस्कृति का संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जबलपुर संभाग के मंडला जिले में नर्मदा नदी के किनारे बसे देवरी बकई में बरगी बांध की अथाह जलराशि के निकट आयोजित झील महोत्सव न केवल साहसिक गतिविधियों का गवाह बन रहा है, बल्कि पर्यटन और संस्कृति के प्रेमियों के लिए भी अनूठा आकर्षण प्रस्तुत कर रहा है। जल, थल और नभ में होने वाली 18 से अधिक रोमांचक गतिविधियों के साथ यह महोत्सव हर उम्र के लोगों को अपनी ओर खींच रहा है। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड और जबलपुर पुरातत्व, पर्यटन व संस्कृति परिषद के आयोजन में जलप्रेमियों के लिए जेट स्कीम, बनाना राइड, वाटर स्कूटर, स्कायकिंग और सर्फिंग जैसे रोमांचक विकल्प मौजूद हैं। वहीं, नभ में उड़ान भरने के शौकीनों के लिए हॉट एयर बैलून, पैरा मोटरिंग और पैरा सेलिंग जैसे विकल्प हैं, जो बांध और आसपास की प्राकृतिक सुंदरता को एक नए दृष्टिकोण से देखने का मौका देते हैं।

थल पर भी उत्साह कम नहीं है

स्लिंग शॉट, रॉक क्लाइम्बिंग, वैली क्रॉसिंग और जॉर्बिंग बॉल जैसी गतिविधियाँ साहसिक पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। दिन में रोमांच का आनंद लेने के बाद शाम होते ही यह स्थल सांस्कृतिक रंगों से सराबोर हो उठता है। रविवार को धीरज शर्मा समूह ने मनमोहक गीत प्रस्तुत किए।

बैठक | **इयूटी अधिकारी प्रत्येक कार्य की माईक्रो प्लानिंग करें-श्रेयांश कूमट।**

आयोजन के पूर्व ही समस्त व्यवस्था करने के दिये निर्देश

*** सामूहिक विवाह/निकाह कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक संपन्न।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला योजना भवन में ग्राम टिकरवारा में आयोजित किए जा रहे मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह/निकाह कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने कहा कि संपूर्ण कार्यक्रम के लिए अधिकारियों के बीच कार्यविभाजन कर दिया गया है। ड्यूटी अधिकारी प्रत्येक कार्य की माईक्रो प्लानिंग करते हुए अंतिम रूप दें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर टेंट का काम मंगलवार दोपहर तक पूर्ण कराएं। साथ ही साथ ग्रीन रूम समय पर तैयार करें। आगंतुकों को तथा वर-वधुओं के रिश्तेदारों के लिए रूकने आदि की पर्याप्त व्यवस्था रखें। वर पक्ष तथा वधु पक्ष के लोग समय पर निर्धारित स्थल पर पहुंचे इसके लिए एक दिवस पूर्व ही तैयारी सुनिश्चित करें। सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग एवं रूटचार्ट फाईनल करें। कार्यक्रम में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करें। उन्होंने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर मेडीकल की 4 से 5 टीमें रखें, उनके पास ग्लूकोज, ओआरएस आदि की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि मंचीय व्यवस्था एवं कार्यक्रम का फाईनल रिहर्सल करें, इसके लिए माध्यम की टीम के साथ समन्वय भी स्थापित करें। भोजन व्यवस्था में लगे अधिकारियों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भोजन समय पर तैयार हो जाए एवं वितरण में किसी प्रकार की अफरा-तफरी न हो इसका विशेष ध्यान रखें। हितलाभ वितरण की सूची समन्वय से तैयार करें। उन्होंने एमपीईबी के अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम स्थल पर विद्युत व्यवस्था पूर्व से चैक कर लें, जिससे कार्यक्रम में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। बैठक में आगंतुकों की बैठक व्यवस्था, बारात निकासी, तोरण द्वार, भूमिपूजन, लोकार्पण, हेलीपेड सहित विभिन्न विषयों पर आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, अपर कलेक्टर जेपी यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम सहित संबंधित उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

कबाड़ मे गुम हुआ बचपन, शासन की योजनाओं पर खडे हुए सबाल?

सांईखेड़ा। शहर सहित आसपास के क्षेत्र मे शिक्षा स्तर सुधारने के लिए प्रशासन द्वारा काफी प्रयास किए जा रहे है, इन प्रयासों के चलते सर्वशिक्षा अभियान, स्कूल चले हम, राजीव गांधी साक्षरता मिशन के अलावा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे आंगनबाड़ी भी चलाई जा रही है, लेकिन इन सब योजनाओं के संचालित होने के बाद भी क्षेत्र में निचले तबके के लोगों तक इन सब योजनाओं का लाभ शायद पहुंच ही नही पा रहा है? फिर सारे प्रयास औपचारिकता के लिए हो रहे है? ऐसा कहा जाए तो शायद गलत नही होगा, क्योंकि नगर में ही इस प्रकार के दृश्य अक्सर देखने मे आते है कि गली मोहल्लों मे छोटे छोटे नाबांलिग बच्चे कचरे के ढेरों मे अपना भविष्य ढूंढते रहते है। गली गली घूमने वाले ये बच्चे कबाड़ बीनकर कमाए पैसों को भी बुरी आदतों मे लगा देते है। यही इनका आज और शायद कल भी हो सकता है, क्योकि इनके जिम्मेदार मां बाप ही ऐसा करा रहे है, ऐसा ही कुछ शहर के अनेक स्थानों पर देखने मिलता है, जहां 4 छोटे छोटे बच्चे हाथ मे बोरी लिए कबाड़ बीनते बीनते थककर कही भी बैठ जाते है। जिन्हे देखकर लोग यह कहने से नही चूकते है कि सरकार द्वारा जिस प्रकार से 1 से लेकर 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं से प्रदेश का धन तो खर्च हो रहा है, मगर उसका लाभ इन मासूम बच्चों की जगह अधिकारियों को जरूर मिल रहा है? बच्चे कर रहे है नशा-एक पाऊच खा लिया, यहां यह भी गौरतलब है कि प्रशासन ने बच्चों को गुटका विक्रय पर पावंदी लगा रखी है, उसके बाद भी इनके हाथो मे आसानी से गुटका पाऊच पहुंच रहे है। इन बच्चों मे शामिल 8 वर्षीय एक बच्चें ने बताया कि उसके पिता भी कबाड़ बीनते है और उसे भी कबाड बीनने भेज देते है। इसी तरह दूसरे बच्चे दिल्ले ने बताया कि उसके पिता को शराब की आदत है, इसके द्वारा जो पैसा मिलता है वह शराब पी जाता है। इन बच्चों की हालत देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसे मे इनका क्या भविष्य होगा।

धूमधाम के साथ मनाई गई डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती, कार्यक्रम में शामिल हुये शिक्षा व परिवहन मंत्री सिंह, नगर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा

गाडरवारा

संविधान के निर्माता व भारत रत्न डॉ बाबा साहित भीमराव अम्बेडकर की जयंती नगर में समस्त जाटव समाज सहित अन्य समाजों द्वारा भी हर साल बडे धूमधाम के साथ मनाई जाती है। इसी प्रकार से इस साल बाबा साहिब की 134 वीं जयंती गाडरवारा में जिला स्तरीय समारोह के रूप में मनाई गई। नगर की नई गल्लामंडी में आयोजित इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा व परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती पूजन के साथ करते हुये अतिथियों द्वारा डा भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यावर्ण करते हुये उन्हें याद किया गया। वही कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का कार्यक्रम संयोजक बाबू लाल जाटव सहित समिति के अन्य सदस्याओं द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान संत रविदास युवा संघर्ष समिति के बेनर तले बाबू लाल जाटव द्वारा अपनी ओर से मांग पत्र प्रस्तुत किया गया। सौपे गये मांग पत्र में उल्लेख किया गया है कि डा अम्बेडकर जी की प्रतिमा लाताब परिसर में स्थापित कराई जावे, डा अम्बेडकर जाटव समाज भवन स्थापित किया जावे। विवेकानंद वार्ड सहित मुक्तिधाम के पास रहने वाले लोगों को शासकीय पट्टे प्रदान किये जावे। वही स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर हमारे लिए स्मरणीय ही नहीं बल्कि प्रेरणा के स्रोत हैं। सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित भी करते हैं और सचेत भी करते हैं। उन्होंने अपनी कार्य पद्धति से पूरी दुनिया में छाप छोड़ी है। उस कार्य पद्धति से आगे चलने के लिए प्रेरणादायी रूप में काम करते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा प्रजातंत्र भारत है। आज लोगों में समानता का अधिकार है, समरसता का भाव है। हर व्यक्ति को समानता का दर्जा और बराबरी का अधिकार है। इस दौरान मंत्री सिंह ने कहा कि आज डॉ. भीमराव अम्बेडर जी के योगदान और स्मृतियों को याद करने का अवसर है। क्योंकि जो कल्पना की थी उन कल्पनाओं को संकल्पित भाव से आत्मसात करते हुए आगे बढ़ने का अवसर है। डॉ. अम्बेडकर ने कहा था कि देश में मानव अधिकार की स्थापना होनी चाहिये इस संकल्प को आगे बढ़ाने

की आवश्यकता है। देश में छुआछूत और जातिवाद समाप्त होना चाहिये, जिस पर हमारा समाज आगे बढ़ चला है। बाबा साहिब का सपना था कि हर वर्ग को शिक्षा में समान अधिकर हो, इसी के चलते आज देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्कूली शिक्षा को मुफ्त में शिक्षा के अधिकार के तहत देश में हर बच्चे को फ्री में शिक्षा देने का काम किया जा रहा है। केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को पक्की छत देने का काम किया है। वही भारत सरकार ने बजट में प्रावधान कर देश में वंचित गरीब परिवारों की छत्त को पक्का किया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में गरीब व वंचित परिवारों के प्रत्येक को घर को पक्की छत न मिल जाये, तब तक यह योजना निरंतर चालू रहेगी। हमें शिक्षा दी गई है कि इस देश में कोई जाति व अमीर- गरीब छोटा-बड़ा नहीं होता, सब बराबर हैं और सभी को कंधे से कंधा मिलकर देश की प्रगति के लिए कार्य करना चाहिये। इस दौरान मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने सभी युवाओं से कहा कि वे शिक्षा, व्यवसाय और कृषि के क्षेत्र में आगे बढ़ें, इसके लिए सरकार की योजनाओं का लाभ लेते रहें। इस मौके पर मंत्री सिंह ने गाडरवारा शहर में स्थित तालाब के सौंदर्यीकरण को लेकर बात करते हुये कहा कि अधोसंरचना के क्षेत्र में गाडरवारा के तालाब को और अच्छा बेहतर बनाया जायेगा। डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा भी यहाँ स्थापित की जायेगी। इस मौके पर आयोजन समिति द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुये सम्मानित किया गया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष राम स्नेही पाठक, पूर्व विधायक नरेश पाठक व श्रीमती साधना स्थापक, नगर पालिका अध्यक शिवाकांत मिश्रा, श्रीमती वंदना पटेल, भाजपा पिछडा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष राव संदीप सिंह, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष मोहरकांत पटैल, भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रियांक जैन, पूर्व जनपद अध्यक्ष मुकेश मरैया, चंद्रकांत शर्मा पार्षद सुरेन्द्र गुर्जर, आनंद दुबे, शुभम राजपूत, नेतराम कुशवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, सर्व समाज गाडरवारा के अध्यक्ष भैयाराम जाटव, कार्यक्रम के संयोजक बाबू लाल जाटव,पीएस परिहार, पूर्व डीआईजी महेश चौधरी, मंगल सिंह जाटव सहित समिति के अन्य सदस्य, अधिकारी- कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। इस तरह जिला स्तरीय समारोह के उपरांत डा भीमराव अम्बेडकर जयंती के मौके पर नगर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जहां शहर के शासकीय चिकित्सालय के सामने से शुरू होकर पानी टंकी से निकलकर महावीर भवन मार्ग से होते हुये श्याम टाकीज, नगर के हृदय स्थल झंडाचौक से निकलते हुये सराफा बाजार से होते हुये पुरानी गल्ला मंडी से निकलते हुये पुराना बस स्टेन्ड मार्ग से होते हुये छीपा तिरहा से निकलकर आयोजन स्थल नई गल्ला मंडी पहुंचने के उपरांत समापन हुआ। इस मौके पर जाटव समाज सहित अन्य समाजों से आये हुये नगर सहित भारी मात्रा में महिला व पुरूष सहित बच्चें शामिल थें।

स्टाफ की समस्या से जूझ रहा है सांईखेड़ा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोगों को कैसे लाभ मिल पायेगा शासन की स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

सांईखेड़ा। जहां एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा आम लोगों को स्वास्थ्य संबंधी लाभ पहुंचाने के लिए अनेक प्रकार की सेवाएं संचालित करते हुए लोगों को लगभग एक सैकड़ा से अधिक दबाईयों का निः शुल्क वितरण किया जा रहा है? मगर अब सबाल यह खड़ा हो रहा है कि जब किसी स्वास्थ्य केन्द्र में कोई चिकित्सक ही नही होगा तो फिर आम लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ कैसे मिल पायेगा? इस बात की सच्चाई इस समय नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में दिखाई पड़ रहा है जहां पर कहने के लिए तो 53 स्वास्थ्य कर्मियों के पद स्वीकृत है, मगर उनमें से मात्र चंद स्वस्थ्य कर्मी तैनात रहते हुए लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ देते हुए देखे जा रहे है जिसमें अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों के पद खाली होने से लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ नही मिल पा रहा है। इतना ही नही इसमें से अनेक तो प्रमुख रोग विशेषज्ञों का आभाव है जिनकी पोस्टिंग नही होने के कारण ग्रामीणों का इलाज नही हो पाता है। प्रमुख चिकित्सकों के रूप में देखा जावे तो मात्र एक चिकित्सक के भरोसे ही संपूर्ण स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्थाएं संचालित हो रही है। बताया जाता है कि यही हाल सांईखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत आने वाले पलोहा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का बना हुआ है

जहां पर प्रमुख चिकित्सक के ही पद बीते लम्बे समय से खाली पड़ा होने के कारण वहां पर स्वीपर व वार्ड वाय के भरोसे ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संचालित हो रहे है? सांईखेड़ा सामुदायिक केन्द्र में स्वीकृत पदों के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि यहां पर चिकित्सा अधिकारी के कुल 8 पद स्वीकृत है। इसी प्रकार से अन्य पद खाली पड़ी हुये है। कुछ इसी प्रकार से लेखापाल का 1 पद है, स्टाफ नर्स के 16 पद तथा ए एन एम के 8 पद तथा कम्पाउन्डर के 2 पद व ड्रेसर के 3 पद, व रेडियोग्राफर में 1 पद स्वीकृत होना बताया जाता है। वही लेब टेकनीशियन के 2 पद व लेब सहायक का 1 पद होने के साथ साथ नेत्र सहायक का एक पद, वाटर मेन का 1 पद, वार्ड वाय की 3 पद, स्वीपर के 3 पद तथा भृत्य के 3 पदों की स्वीकृति है। इसी प्रकार से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पलोहा में चिकित्सा अधिकारी का 1 पद व स्टाफ नर्स के 3 पद, ए एन एम के 2 पद, कम्पाउंडर का 1 पद, ड्रेसर के 2 पद, स्वीपर के 3 पद, भृत्य के 2 पद, वार्ड वाय के 2 पद स्वीकृत है। इसी प्रकार से सांईखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खकरिया, गुजर झिरिया, इमालिया, जमाड़ा, बम्हौरी कला, बम्हौरी खुर्द के उप स्वास्थ्य केन्द्रो में भी अनेक पद स्वीकृत तो है मगर अनेक पद खाली पड़े हुये है जिसके चलते शासन की योजनाओं का ग्रामीणों को लाभ मिलते हुये दिखाई नही देने से अब सबाल यह खड़ा हो रहा है कि जहां एक ओर सरकार द्वारा लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं देने की बात कहते हुए प्रतिवर्ष करोड़ो रूपया खर्च किया जा रहा है, मगर जब स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक व अधिकारी कर्मचारी ही नही होगे तो फिर आम जनता को सरकार की इन स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ कैसे मिल पायेगा?

नरवाई जलाने के प्रतिबंध पर जिला कलेक्टर ने दिखाया सख्त रूख, उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध होगी कार्रवाई

गाडरवारा। कहा जाता है कि जिला अधिकारी संपूर्ण जिले का मुखिया होता है और उनके द्वारा दिये गये आदेशों का पालन करना सभी विभागों को अनिवार्य माना जाता है। मगर इस समय हमारे जिले में कलेक्टर द्वारा जारी किये गये आदेशों को गाडरवारा क्षेत्र के अधिकारियों द्वारा जिस तरह रद्दी की टोकरी के हवाले करते हुये देखा जा रहा है उससे यह प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि शायद उन अधिकारियों के सामने जिला कलेक्टर का आदेश कोई महत्व नही रखता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय खेतों में जलाई जाने वाले नरबाई को लेकर देखा जा रहा है। क्योंकि गेंहू व धान की नरबाई यानि की डंठल जलाने पर पहले से ही प्रतिबंध लगा हुआ है। इस सब पर निगरानी रखने की जिम्मेदार कृषि विभाग के अधिकारियों की बताई जाती है। मगर क्षेत्र में कृषि विभाग की व्यवस्था जिस तरह अपडाऊन कार्य प्रणाली पर चलते हुये देखी जा रही है उसके चलते न तो जिला अधिकारी के आदेशों का पालन होते हुये दिखाई दे रहा है और कृषि संबंधी योजनाओं से किसान लाभ प्राप्त कर पा रहे है..? क्योंकि खेतों में जलाई जाने वाले नरबाई को लेकर पहले भी जिला कलेक्टर द्वारा सख्त आदेश देते हुये कार्यवाही करने के आदेश जारी किये गये थें। मगर संबंधित विभाग द्वारा कितनी कार्यवाही की गई शायद किसी को पता नही होगा..? इसी के चलते जिला कलेक्टर द्वारा एक बार फिर अपना सख्त रवैया अपनाते हुये प्रतिबंध आदेश जारी करते हुये कार्यवाही के लिये निर्देशित किया गया है। क्योंकि वायु मंडल, पर्यावरण एवं भूमि की क्षति को दृष्टिगत रखते हुए सार्वजनिक हित में संपूर्ण जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र में नरवाई जलाने की प्रथा पर तत्काल अंकुश लगाने के लिए जिला दंडाधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत प्रतिबंध लगाया है। जनसामान्य को बाधा, क्षति, मानव जीवन स्वास्थ्य, क्षेम के खतरे के प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए जिले की सीमाओं में खेत में खेड़े गेहूं के डंठलों (नरवाई) एवं फसल अवशेषों में आग लगाये जाने पर प्रतिबंध लगाया है। इस आदेश को दो माह की अवधि के लिए प्रभावशील किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी। नरवाई में आग लगाने से भूमि में मौजूद माइक्रोब्ज की क्षति होती है। इसके साथ ही यह पर्यावरण की दृष्टि से भी हानिकारक है। इसके कारण विगत वर्षों में गंभीर अग्नि दुर्घटनायें घटित हुई हैं तथा व्यापक सम्पत्ति की हानि कारित हुई है। ग्रीष्म ऋतु में इससे जल संकट में बढ़ोत्तरी होती ही है साथ ही कानून व्यवस्था के लिए भी विपरीत परिस्थितियां निर्मित होती हैं। राज्य शासन के पर्यावरण विभाग द्वारा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम के अंतर्गत जारी अधिसूचना के प्रावधानों के अनुपालन में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश को वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए अधिसूचित

किया गया है। मप्र में वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम के तहत नरवाई जलाना तत्समय से तत्काल प्रतिबंधित किया गया है, जो वर्तमान में निरंतर है। पर्यावरण विभाग द्वारा उक्त अधिसूचना के अंतर्गत नरवाई में आग लगान वालों के विरूद्ध क्षतिपूर्ति के लिए दंड का प्रावधान किया गया है। दो एकड़ तक के कृषकों को 2500 रुपये तथा दो से 5 एकड़ तक के कृषकों को 5 हजार रुपये और 5 एकड़ से बड़े कृषकों को 15 हजार रुपये का अर्थदंड प्रति घटना का प्रावधान किया गया है। जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार खेत की आग के अनियंत्रित होने पर जन, सम्पत्ति व प्राकृतिक वनस्पति, जीवजंतु आदि नष्ट हो जाते हैं, जिससे व्यापक परिस्थितिक नुकसान होता है। खेत की मिट्टी में प्राकृतिक रूप से पाये जाने वाले लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु इससे नष्ट होते हैं, जिससे खेत की उर्वरा शक्ति शनैः शनैः घट रही है और उत्पादन प्रभावित हो रहा है। खेत में पड़ा कचरा, भूसा, डंठल सड़ने के बाद भूमि को प्राकृतिक रूप से उपजाऊ बनाते हैं। इन्हें जलाकर नष्ट करना प्राकृतिक खाद्य को नष्ट करना है। आग लगाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है, जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जिले में कई कृषकों द्वारा रोटोवेटर व अन्य साधनों से गेहूं के डंठल खेत से हटाने के लिए साधन अपनाये जाने लगे हैं। अतः कृषकों के पास वैकल्पिक सुविधा जो कि जनहित में भी उपलब्ध हो गई है। नरवाई जलाने से भूमि की लवण सांद्रता प्रभावित होती है, जो पौधों द्वारा पोषक तत्वों के अवशोषण की दर निर्धारित करती है। उल्लेखनीय है कि उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा संज्ञान में लाया गया है कि जिले में फसल कटाई के पश्चात अगली फसल के लिए खेत तैयार करने के लिए बहुसंख्यक कृषकों द्वारा अपनी सुविधा के लिए खेत में आग लगाकर फसल काटने के उपरांत भूमि में जड़ व डूढ (नरवाई) को नष्ट कर खेत साफ किया जाता है। इससे व्यापक अग्नि दुर्घटनायें होकर जन- धन की हानि होती है। इसे नरवाई में आग लगाने की प्रथा के नाम से भी जाना जाता है। नरवाई में आग लगाने पर प्रतिबंध लगाया जाना जनहित में आवश्यक है, जिस पर जिला दंडाधिकारी द्वारा उक्त आदेश जारी किया है।

जंगल क्षेत्र में स्थापित हो रहे उद्योगों के चलते वन्यजीवों की जिन्दगी आई खतरे में, जंगली जानवर कर रहे गांवों की ओर अपना रूख

गाडरवारा। जहां गाडरवारा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चीचली जंगल पट्टी सहित गोटीटोरियाँ क्षेत्र में अनेक प्रकार के जंगली जानवार निवास करते है, वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो चीचली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में राष्ट्रीय पक्षी मोर सहित हिरण, बारह सिंगा, मृगा के आलवा इस प्रकार के अनेक जीव निवास करते हुए देखे जाते है जो जरा से भी शोर गुल के कारण भयभीत होने से वह यहां वहां भटकने लगते है, जिसके कारण उनकी जिन्दगी खतरे में पड़ जाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय चीचली क्षेत्र में स्थापित होने जा रहे उद्योगों के चलते भी देखने मिल रही है? बताया जाता है कि इस क्षेत्र में स्थापित होने जा रहे उद्योगों के चलते लगातार हो रहे शोर गुल के चलते जहां यहां पर निवास करने वाले हिरण, बारह सिंगा, चीतल मोर लगातर यहां वहां पर भटकते हुए दिखाई दे रहे है? जबकि इस क्षेत्र में भारी मात्रा में निवास करने वाले भारत के राष्ट्रीय पक्षी मोरों की जिन्दगी भी पूर्णरूप से खतरे में जान पड़ रही है, क्योंकि जिस क्षेत्र में इस प्रकार के उद्योग की स्थापना हो रही है उस क्षेत्र के सैकड़ो की संख्या में मोर निवास करते थें, कुछ इसी प्रकार से हिरण व चीतलों की संख्या भी दिखाई पड़ती थी, मगर इस समय चह वन्य प्राणी यहां पर लगने वाले उद्योग के कारण गांवों की ओर रूख करने से अक्सर देखा जाता है कि वह बेमौत मारे जाने लगे है? क्योंकि जब यह वन्य प्राणी गांवों की ओर रूख करते है तो उन्हें या तो कुत्ता अपना शिकार बना लेते है या फिर यदि किसी सड़क पर आ जाते है तो वाहन की टक्कर से इनकी मौत होना आम बात होती जा रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुए वर्ष के दौरान चीचली क्षेत्र में देखने भी मुल चुकी है जिसके चलते क्षेत्र में भटकते हुए अनेक हिरणों व अन्य वन्य जीवों मौत हो चुकी है?

दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में बस यात्रियों को गर्मी से बचने के लिए नही है कोई साधन

सांईखेड़ा। इस समय चल रही सूरज की तेज तपन के चलते जहां बस यात्रियों को परेशानी का सामना इसलिये करते हुये देखा जा रहा है क्योंकि भले ही सांईखेड़ा को तहसील का दर्जा मिलने के साथ साथ यहां पर नगर पंचायत, महाविद्यालय के आलवा अन्य सुविधाये मिल चुकी है मगर बस यात्रियों के लिये कोई ठोर ठिकाना नही मिल पाया है? इस तरह दादाधूनी वालों के नगर में बस स्टेन्ड के आभाव के चलते जहं बसयात्रियों को तपती हुई धूव तो बारिश के सीजन में भीगते हुये अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वही गर्मी के दिनों में तेज धूप के चलते खुले मैदान में खड़े होकर बसों का इंतजार करते हुए देखा जाता है, इस नगर में देखा जाता है कि बाहर से आने वाले यात्री पानी और छॉव की तलाश में इतने बडे नगर में किसी भी प्रकार से बस स्टेन्ड नही होने के कारण बस यात्रियों को सदा ही परेशान होते हुए आसानी से देखे जा सकते है? क्योंकि सांईखेड़ा में स्थाई बस स्टेण्ड एवं यात्री प्रतीक्षालय की सुविधा न होने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि क्षेत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नर्मदा नदी के झिकोली पर पुल का निर्माण होने के कारण जहां यह क्षेत्र प्रदेश की राजधानी भोपाल से जुड गया है जिसके चलते यहॉ से प्रतिदिन गाडरवारा, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिलवानी, शालाबरू,उदयपुरा, मेहरागॉव, सिरसिरी, रायसेन, भोपाल सहित अनेको यात्री बसे निकलते है एवं झिकोली के लिये लगभग 25 टायमिंग बसे निकलती है, परन्तु विभिन्न स्थानों के लिये जाने वाले बसयात्रियों को बसों के इंतजार के लिये सड़क पर पेड़ के नीचे या चाय पान की दुकानों पर बैठना पड़ता है। इस स्थिति में प्रमुख रूप से देखा जावे तो महिला बस यात्रियों के लिये ऐंसी स्थिति में सर्वाधिक परेशानी होती है, जिसमें यहां पर स्थापित ब्लाक कार्यालय, उत्कृष्ठ विद्यालय सहित महाविद्यालय की स्थापना हो जाने के कारण अनेक महिलाओं के आलवा छात्राओं द्वारा बसो के माध्यम से ही आना जाना किया जाता है। मगर वह बस स्टेण्ड पर न होने के कारण यहां वहां भटकते हुए देखी जाती है। वही दूसरी ओर न तो महिलाओं के लिए यहां पर शौचालय है और न ही प्रसाधन की कोई सुविधा है जिसके कारण सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान को भी ग्रहण लगने में कोई कसर बाकी दिखाई नहीं दे रही है। इस प्रकार के सच्चाई के चलते स्थानीय लोगो का कहना है कि यदि मवेशी बाजार क्षेत्र में यदि एक सुविधायुक्त बस स्टेण्ड बना दिया जाये तो नगरवासियों के लिये एक बड़ी सौगात मिल जायेगी, वही दूसरी ओर दूर दूर से आने वाले धूनी वाले दादा के भक्तों को भी सुविधा मिलेगी, जिसके चलते क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र के लोगों द्वारा जनापेक्षा व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई जा रही है यात्रियों के लिये प्रतीक्षालय एवं सुविधायुक्त बस स्टेण्ड की स्थापना की जाये।

इससे बढ़कर और कहां हो सकती है माँ की ममता

गाडरवारा। कहा जाता है कि जब अपना बच्चा भोजन कर रहा हो और दूसरा किसी का बच्चा भूखा रहते हुए उसके मुंह की ओर ताके तो कोई भी माँ का दिल पसीजने से नही रह सकता है? यह सच्चाई भले ही मानव में देखने ने मिले मगर मूक पशुओं में जरूरी देखी जा सकती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर के रेल्वे स्टेशन क्षेत्र में उस समय देखने मिली जब एक गाय अपने बच्चें को दूध पिला रही थी इसी दौरान गाय के बच्चें के ही हम उम्र बच्चें अपने साथी को दूध पीते हुए देखकर अपनी माँ को याद करने लगे, और शायद इस नजारा गाय माता से देखा नही गया होगा जिसके चलते उसने अपने बच्चें के साथ अन्य दो बच्चों को भी दूध पिलाना शुरू कर दिया गया, जिसके चलते जब लोगों ने एक गाय का एक साथ तीन बछड़ो को दूध पीते हुए देखा गया तो वह इस माँ की ममता को नमन करने से नही चूके। वही इस प्रकार जहां गाय माता ने माँ की ममता का उदाहरण देते हुए मानव जाति को हैरत में डाल दिया गया, वही दूसरी ओर इस बात का संदेश भी दे दिया गया कि माँ से बढ़कर दूसरा प्रेम इस दुनिया में कही नही मिल सकता है?

शादी न होने पर माता पिता के साथ की मारपीट, पुत्र के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। एक समय था जब माता पिता अपने बेटा या बेटी की शादी के लिये चर्चा करते थें तो वह शरमाते हुये वहां से उठकर चले जाते थें। मगर लगातार बढ़ रही बेरोजगारी तथा अन्य कृत्यों की गिरफ्त में आ रही युवा पीढ़ी की शादी होना भी मुश्किल होते हुये देखा जा रहा है। इस तरह युवाओं की शादी नही होने के चलते वह अपने माता पिता के साथ मारपीट करते हुये देखे जाने लगे है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कौड़िया में देखने मिली जब एक युवक की शादी नही होने के चलते उसने अपने माता पिता के साथ मारपीट करते हुये यह बात कहते हुये जान से मारने की धमकी दी गई कि यदि तुमने मेरी जल्दी शादी नही कराई गई तो दोनों को जान से मार दूंगा। इस तरह बेटे की मनमानी से पीड़ित माँ द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया मेरे कुल चार बच्चे है जिसमें तीन लड़िकया है सभी की शादी हो चुकी है। एक लड़का सोनी बैरागी है जिसकी अभी शादी नही हुई है। सोनू आये दिन अपनी शादी की बात को लेकर घर में विवाद करता रहता है। इसी प्रकार से बीते हुये दिवस जब मैं व मेरा पति शंकर लाल बैरागी घर में खाना खाकर सो रहे थें रात लगभग दो बजे सोनू आया और चिल्ला चिल्लाकर बोल रहा था कि तुम मेरी शादी क्यों नही करा रहे है और इसी बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देने लगा। इस तरह जब पिता शंकर लाल द्वारा गाली देने से मना किया तो सोनू बैरागी द्वारा पिता शंकर लाल तथा माँ के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पीड़ित माँ की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पुत्र के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

खबर संक्षेप

आंधी तूफान से उड़ा गौशाला का छप्पर

अमरपुर। इस गर्मी के मौसम में कुछ दिनों से बादलों हवाओं के साथ बूंदाबांदी का दौर चलता रहा। परंतु रविवार शाम को अचानक मौसम बदला और तेज आंधी तूफान के साथ बारिश एवं ओलावृष्टि हुआ। आंधी इतनी तेज रफ्तार थी कि रामगढ़ में महेंद्र ठाकुर के गौशाला जोकि टीम के चादर से बने छप्पर को पूरी तरह से उड़ा कर दूसरी तरफ फेंक दिया। जिन पाइपों में तीन की चादर कसे हुए थे। जो हवा की रफ्तार से टूटे और मूड़ भी गए। परंतु जानकारी अनुसार मवेशियों को किसी प्रकार की चोट नहीं पहुंची कारण कि उस वक्त मवेशी खेतों में चलने गए हुए थे। जिस वजह से पूरी मवेशियों को पूरी रात बाहर खुले आसमान के नीचे रहना पड़ा। वहीं घर के आसपास लगे पेड़ों की डगाले भी टूटे पड़े हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान में पुराने जलस्रोतों को सहेजने की आवश्यकता

अमरपुर। शासन द्वारा प्रारंभ किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान में पुराने जल स्त्रोतों का समय और मांग को देखते हुए पुराने जलस्त्रोतों को सहेजना भी अत्यंत जरूरी हैं। जोकि आज भी कई ग्रामों के जंगलों में उपलब्ध हैं। जैसे कि ग्राम पंचायत रामगढ़ के जगमंडल पहाड़ के ऊपर कथित रानी अवंती बाई के आखेट स्थल जहां पर अभी भी इस भीषण गर्मी में पानी भरा हुआ हैं। यह भी जानकारी प्राप्त हुई हैं कि उस छोटे से जल स्त्रोत से लगी समतल भूमि उपजाऊ मिट्टी हैं। वहां औषधीय पौधों के रोपण के स्थानीय रानी अवंती बाई समिति द्वारा शासन को प्रस्ताव भी भेजा जा चुका हैं। उक्त स्थल पर तालाब निर्माण होने से जंगली जानवर, पशु, पक्षियों को पेयजल भी उपलब्ध हो सकेगा। इसी प्रकार वनग्राम जैतपुरी में भी वहां के लोगों के अनुसार रामगढ़ के राजा शिकार करने वहां पहुंचते थे। जहां आज भी जल स्त्रोत से पानी बहते हुए देखा जा सकता हैं। ग्रामीणों के अनुसार उक्त स्थल में मवेशी पानी पीते थे। साथ ही चरवाहे भी पानी का उपयोग करते रहे। जहां तालाब निर्माण हेतु पर्याप्त जगह उपलब्ध हैं। साथ ही इसी प्रकार मोहनझिर ग्राम पंचायत के जोबा का जंगल में भी जल स्त्रोत हैं। जहां पर बारह महीने पानी रहता हैं। ग्रामीणों के अनुसार किसान नाली बनाकर अपने खेतों की सिंचाई किया करते थे। ऐसे प्राकृतिक जल स्त्रोतों की सुरक्षा और संवर्धन की अत्यंत जरूरत हैं।

पटवारी ने बांटी शिक्षण सामग्री

शहपुरा क्षेत्र के हल्का कछारी के पटवारी अमित झारिया ने बाबा साहब अंबेडकर जयंती के अवसर पर बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री वितरित की। इस कार्यक्रम के माध्यम से पटवारी ने बाबा साहब के आदर्शों और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। पटवारी ने बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। इस अवसर पर पटवारी ने बाबा साहब अंबेडकर के जीवन और कार्यों पर चर्चा की और उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान कियबच्चों को शिक्षण सामग्री मिलने से वे बहुत खुश हुए और उन्होंने पटवारी को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम से बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ेगी और वे अपने भविष्य को बेहतर बना सकेंगे।पटवारी का यह प्रयास समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों के भविष्य को सुधारने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी और वे भी इस तरह के प्रयासों में शामिल होंगे।

डिंडौरी भाजपा कार्यालय में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय डिंडोरी में भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई।

डिंडौरी न्यूज ।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा डॉ. अंबेडकर के तैल चित्र पर तिलक वंदन और माल्यार्पण कर की गई जिला संगठन प्रभारी गिरीश द्विवेदी ने कहा कि 14 अप्रैल का दिन हम सभी भारतीयों के लिए गर्व का अवसर है, जो बाबा साहब के अतुलनीय योगदान को स्मरण करने का दिन है। उन्होंने समाज, शिक्षा, राजनीति और न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन किए।भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम ने बाबा साहब के शिक्षा क्षेत्र में अद्वितीय योगदान का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त की थीं और विधि, अर्थशास्त्र व राजनीति विज्ञान में गहन शोध किया था।

वरिष्ठ नेता कैलाशचंद जैन ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सामाजिक न्याय के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने जाति व्यवस्था के उन्मूलन के लिए न सिर्फ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, बल्कि ब्रिटिश शासन की नीतियों की भी आलोचना की थी। प्रथम गोलमेज सम्मेलन में उन्होंने शोषित वर्ग की स्वतंत्र राजनीतिक पहचान की वकालत की।पूर्व जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपूत ने डॉ. अंबेडकर को भारतीय संविधान का "मुख्य शिल्पकार" बताते हुए कहा कि उन्होंने 60 देशों के संविधानों का अध्ययन कर भारत का संविधान तैयार किया, जिससे भारत एक मजबूत लोकतंत्र बना। आजादी के बाद उन्हें देश के पहले विधि एवं न्याय मंत्री का दायित्व सौंपा गया था।

कार्यक्रम का संचालन अजजा मोर्चा जिला अध्यक्ष परसराम नागेश ने किया एवं आभार महेश धूमकेती ने व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रदेश परस्ते, पूर्व जिला महामंत्री राजेंद्र पाठक, पूर्व विधायक दुलीचंद उरैती, जिला महामंत्री जय सिंह मरावी, जिला उपाध्यक्ष महेश पाराशर, सोशल मीडिया संयोजक पवन शर्मा सहित अजा एवं अजजा मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष आशीष वैश्य, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नरबदिया मरकाम, मंडल उपाध्यक्ष रजनी श्रीवास, मंडल महामंत्री भागीरथ उरैती, तरुण ठाकुर, प्रवीण बर्मन, शांतनु पाठक, बोधराम सरैया, दीपिका भारद्वाज, यशवंत तोमर, तारेंद्र ठाकुर, रजनी मंदे, वीरेंद्र बिहारी शुक्ला, लक्ष्मण बिलागर, शंकर गवले, लक्ष्मण सिंह ठाकुर, प्रेम सिंह धुर्वे, कोमल प्रसाद यादव, कान्हा शर्मा, नगर अध्यक्ष अमित बर्मन, मीडिया प्रभारी आनंद अग्रवाल, संदीप कांसकर, पार्षद कोयल प्रसाद दुबे समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बरबसपुर रैयत में मनाई गई संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती

डिंडोरी। बहुजन समाज पार्टी जिला इकाई डिंडोरी द्वारा दिनांक 14 अप्रैल दिन सोमवार को समय 1 बजे कार्यक्रम में विचार संगोष्ठी आयोजित की गई जिसके मुख्य अतिथि इंदर सिंह उइके जिला प्रभारी मंडला बसपा मौजूद रहे उन्होंने कहा बाबासाहेब संविधान निर्माता के बताए मार्ग पर चलने को बताया गया उनके जन्मदिन पर सभी ने बधाई शुभकामनाएं दी गांव के ग्रामीण मौजूद रहे उइके जी ने कांशीराम को धन्यवाद दिया जिन्होंने देश में सोते समाज को जगाया साथ ही बहुजन समाज पार्टी की स्थापना 1984 मे की है इसके बाद नगर अध्यक्ष डुमारी चौधरी संविधान निर्माता के जन्म से लेकर अंतिम बात सभी के सामने रखी और आगे जिला महासचिव तुलसी साहू ने संविधान निर्माता के बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी एक लोक गीत संविधान की उनके द्वारा गाने के माध्यम से सभी सामने बताई वहीं कार्यक्रम आगे बढाते हुए मो असगर सिद्दीकी जिला अध्यक्ष बसपा ने सभी को बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी जयंती पर बधाई शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आने वाले समय में नवयुवको को बसपा से जोड़ने का काम शुरू कर गांव से बूथ से सेक्टर से सभी को जोड़कर बीएसपी के हाथों को मजबूत करना है संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर जी का जन्म इन्दौर जिले के महु में दिनांक 14 अप्रैल 1891मे हुआ, उन्हें नौ भाषा का ज्ञान था उन्होंने वकालत की पढ़ाई इंग्लैंड से की और देश के संविधान को लिखा है अन्त में सभी का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम मौजूद रहे अंसार अहमद, प्रताप सिंह आर्मो,डुमारी चौधरी, घनश्याम नामदेव, ओमप्रकाश रैदास, महेंद्र झारिया, खुर्शीद आलम, रमेश चंद्र सेन तुलसी साहू, नंदकिशोर बघेल, अभिनंदन सोनी,आदि गांव के महिला पुरुष बच्चे सभी को नाश्ता कराकर सम्पन्न किया गया।

झारिया सेवा समिति ने धूमधाम से मनाई अंबेडकर जयंती

शहपुरा – झारिया सेवा समिति शहपुरा द्वारा 14 अप्रैल को झारिया धर्मशाला में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही धूमधाम और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, युवावर्ग एवं बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ की गई। समिति के सदस्यों ने बाबा साहेब के जीवन संघर्ष, उनके विचारों और संविधान निर्माण में दिए गए अभूतपूर्व योगदान को भावपूर्ण शब्दों में स्मरण किया।मुख्य वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर को न केवल दलितों के मसीहा, बल्कि समता, स्वतंत्रता और न्याय के प्रतीक के रूप में बताया। उन्होंने कहा कि अंबेडकर जयंती मनाने का असली उद्देश्य उनके विचारों को जीवन में अपनाना और समाज में व्याप्त असमानताओं को समाप्त करना है।इस अवसर पर गणेश चंदेल, शोभाराम झारिया, नत्थू झारिया, नरोत्तम झारिया, डॉ प्रकाश झारिया, रेवा झारिया, महेंद्र झारिया, लाला प्रसाद झारिया, सुरेश झारिया, अखिलेश झारिया, वरुण झारिया, पृथ्वी झारिया, बद्री प्रसाद झारिया, मटरू लाल झारिया, कमल झारिया, अनूप लाल, सियाराम, हरप्रसाद, सहित सामाजिक जन मौजूद रहे।अंत में समिति अध्यक्ष ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में यह आयोजन और भी भव्य रूप में किया जाएगा, ताकि नई पीढ़ी को बाबा साहेब के विचारों से जोड़ा जा सके।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की ली संयुक्त बैठक

डिंडौरी ।

कलेक्टर ने आज विकासखड समनापुर एवं अमरपुर के म.प्र. ग्रामीण आजीविका भवन में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने आंगनवाडी सुपरवाइजर, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाडी कार्यकर्ता, सहायिकाओं से पूछा कि किन किन आंगनवाडी केन्द्रों में पेयजल, विद्युत व्यवस्था, बाउंड्री वॉल, मीनू के अनुसार पोषण आहार-भोजन एवं कुपोषित बच्चों का नियमित परीक्षण कर पोषण आहार एवं भोजन उपलब्ध कराया जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई), कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, कार्यपालन यंत्री विद्युत विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को तीन दिवस के अन्दर प्रत्येक आंगनवाडी में विद्युत, पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर नेहा मारव्या ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि समस्त आशा कार्यकर्ता, सहायिका, आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सुपरवाईजर को निर्देश दिए कि आपके क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुपोषित बच्चे, अति कुपोषित बच्चों को परिवार के साथ समन्वय बनाकर स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार हेतु भेजें ताकि उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके।

कलेक्टर नेहा मारव्या ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए आंगनवाडी केन्द्र बच्चों के लिए 7.00 बजे से 11.00 बजे एवं स्टाफ के लिए दोपहर 02.02 तक संचालित किए जाएंगे। जिससे बच्चों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो। आंगनवाडी केन्द्र में टाइम टेबल के साथ गतिविधियां संचालित किए जाएं जैसे- सर्वप्रथम बच्चों का स्वागत, प्रार्थना, शिक्षा, चित्रकला, कविता गान, गीत, खेलकूद, पोषण आहार, भोजन आदि टाइम टेबल के साथ गतिविधियां संचालित किए जाएं ताकि बच्चे केन्द्र के प्रति आकृषित हों।

कलेक्टर नेहा मारव्या ने सभी सुपरवाइजर, सहायिका, कार्यकर्ता को निर्देश दिए कि प्रत्येक आंगनवाडी केन्द्र में 5-5 फलदार पौधे लगाएं, और स्वयं पौधों की देखभाल करें जिससे भूमिगत जलस्तर बनी रहे और केन्द्र में अध्ययनरत बच्चों को फल उपलब्ध हो सके कलेक्टर ने कहा कि सभी कार्यकर्ता, सहायिका अपनी उपस्थिति सम्पर्क ऐप दें तथा सुपरवाइजर, परियोजना अधिकारी अन्य कार्यालयीन कर्मचारी सार्थक एप पर अपनी उपस्थिति देना सुनिश्चित करें तथा पोषण ट्रेकर एप प्रति दिवस उपस्थिति कार्यकर्ता, सहायिका और उपस्थित बच्चे एवं पोषण आहार लेने वाले बच्चे एवं धात्री महिलाओं की उपस्थिति अनिवार्य है। तभी समूह को खाद्य सामग्री और राशि का भुगतान भारत सरकार से जारी होगी। साथ ही शारीरिक माप, कुपोषण चिन्हांकन आंगनवाडी केन्द्र में सभी प्रकार की पंजी भी संधारण ही पोषण ट्रेकर एप के माध्यम से ऑनलाइन किया जाना अनिवार्य है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं महिला बाल विकास अधिकारी श्री श्याम सिंगौर ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र के संचालन एवं पोषण पखवाड़ा के तहत गतिविधियां आयोजित करने के साथ-साथ बच्चों को अर्ली एजुकेशन एवं नियमित पोषण व्यवस्था और गर्भवती धात्री महिलाओं को पोषण आहार प्रदान करने संबंधी निर्देश दिए।आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को निर्देश दिए ,पोषण पखवाड़ा अंतर्गत गंभीर कुपोषित बच्चों की निगरानी, 1000 दिवस तक बच्चे की देखभाल के साथ-साथ एनीमिया की रोकथाम एवं पंजीयन पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देश दिये। आंगनबाड़ी केंद्रों में विद्युत व्यवस्था, पेयजल एवं अन्य व्यवस्थाओं में सुधार लाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों निर्देश दिये। लापरवाही की स्थिति में संबंधित अधिकारी कर्मचारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, अनुविभागीय अधिकारी डिंडौरी भारती मेरावी, मुख्य चिकित्सा एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी रमेश मरावी, नायब तहसीलदार समनापर सुन्दर लाल यादव, नायब तहसीलदार अमरपुर पंकज नयन तिवारी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी ,कर्मचारी उपस्थित रहे।

जलगंगा संवर्धन अभियान को मिली रफ्तार, कलेक्टर नेहा मारव्या ने दिए तालाब निर्माण, पौधारोपण और अतिक्रमण हटाने के निर्देश

डिंडौरी न्यूज ।

कलेक्टर ने सोमवार को विकासखंड समनापुर एवं अमरपुर में जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत समीक्षा बैठक आयोजित की। समनापुर के म.प्र. ग्रामीण आजीविका भवन में सुबह 11 से 1:30 बजे तक तथा अमरपुर में दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक हुई बैठक में पटवारी, राजस्व निरीक्षक, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं मोबिलाइजर उपस्थित रहे।कलेक्टर ने जल स्तर में सुधार और भूमिगत जल संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक ग्राम पंचायत में 31 मई 2025 तक दो तालाब निर्माण करने के निर्देश दिए। तालाब निर्माण हेतु शासकीय भूमि चिन्हांकन का निरीक्षण 15 अप्रैल को स्वयं कलेक्टर द्वारा किया जाएगा, जिसमें सीईओ जिला पंचायत, एसडीएम, तहसीलदार व अन्य अधिकारी शामिल रहेंगे।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि तालाब निर्माण कार्य सी-प्री एप पर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही शुरू किया जाए और इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। साथ ही, मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी का समय पर भुगतान करने के निर्देश भी दिए गए।शिक्षा विभाग के अधिकारियों को विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा दो-दो पौधे रोपित कराने के निर्देश दिए गए—एक विद्यालय परिसर में और एक घर पर—ताकि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल सके।

वन विभाग द्वारा बताया गया कि अब पेडों की कटाई की अनुमति ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से दी जाएगी। अतिक्रमण की शिकायतों पर कलेक्टर ने सख्त रुख अपनाते हुए एक सप्ताह के भीतर अतिक्रमण हटाने के निर्देश एसडीएम एवं तहसीलदार को दिए।सभी पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों को ग्राम की सड़कों के किनारे फलदार और छायादार पौधे लगाने का निर्देश भी दिया गया, जिसकी देखरेख ग्राम पंचायत करेगी।इस समीक्षा बैठक में जिला स्तर के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं जनपद स्तर के प्रतिनिधि मौजूद रहे। अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाना है।

रेत का अवैध परिवहन करते हुए 7 ट्रैक्टर ट्रॉली की गई जप्त

राजस्व एवं पुलिस द्वारा मेहंदवानी के ग्राम कठौतिया में की गई कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज मेंहदवा

नीजिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन लगातार जारी है। इस संबंध में शिकायतें भी जिम्मेदारों तक पहुंचती रहती है। इसी क्रम में लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर तहसील शहपुरा अंतर्गत ग्राम कठौतिया में सोमवार को राजस्व एवं पुलिस द्वारा संयुक्त तौर पर कार्यवाही करते हुए रेत से ओवरलोड 7 ट्रैक्टर ट्रॉली को जप्त किया गया है।शहपुरा एसडीएम ऐश्वर्या वर्मा के निर्देश पर तहसीलदार पुष्पेंद्र पंद्रे ने राजस्व विभाग की टीम के साथ छापा मारा। इस दौरान मौके पर रेत से भरे सात ट्रैक्टर अवैध रूप से परिवहन करते हुए पाए गए। सभी ट्रैक्टर ट्रॉली में लोड रेत के परिवहन से संबंधित दस्तावेजों मांगे गए। रेत परिवहन से जुड़े कोई दस्तावेज चालकों द्वारा प्रस्तुत नहीं किए गए। तहसीलदार ने सभी सातों ट्रैक्टरों को जब्त कर मेंहदवानी थाना परिसर में पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया गया है। कार्यवाही में तहसीलदार पुष्पेंद्र पंद्रे सहित राजस्व विभाग की टीम में अमित तिवारी, सोहन श्याम, गरीबा यादव, आनंद डहेरिया सहित अन्य शामिल रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

10

जबलपुर, मंगलवार 15 अप्रैल 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

श्रीराम महायज्ञ का भूमिपूजन ध्वजारोहण सम्पन्न

तेंदूखेड़ा । समीपी ग्राम खैरुआ मदनपुर में आगामी बैशाख शुक्ल पक्ष में श्रीराम महायज्ञ राम दरबार हनुमान जी की नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा और संगीत मय श्री रामकथा का विशाल आयोजन है। जिसका भूमिपूजन ध्वजारोहण समस्त ग्राम बासियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर ग्राम में बेन्ड बाजों घण्टा शंख की ध्वनि के बीच सभी ग्राम वासियों और महिलाओं के द्वारा जय श्री राम के उद्घोष के साथ यज्ञ की ध्वजा यात्रा सम्पन्न हुई। यज्ञ भूमि पूजन और प्रसाद वितरण किया गया।यज्ञ समिति ने आगामी 4 मई से 12 मई तक आयोजित होने वाले श्री राम यज्ञ और रामकथा में क्षेत्रीय धर्मानुरागी जनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

बैशाख और मेष संक्रान्ति के प्रारम्भ के साथ विवाहादि कार्य शुरू

तेंदूखेड़ा। होली महापर्व के बाद चैत्र का महीना प्रारंभ हो जाता है। 14 मार्च को मीन की संक्रांति प्रारंभ होते ही खरमास की शुरुआत हो जाती है।खरमास में विवाह आदि मांगलिक कार्य बंद हो जाते हैं। 14 अप्रैल को मेष की संक्रांति के साथ बैंड बाजा और शहनाई की धूम के साथ विवाह आदि कार्य शुरू हो जायेंगे । इस वर्ष 14अप्रैल से 8 जून तक विवाह के शुद्ध मुहूर्त रहेंगे। इसके पश्चात ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 11जून को गुरु बृहस्पति के अस्त होने से विवाह के शुभ मुहूर्त नहीं रहेंगे। सबसे ज्यादा विवाह होने बाले भडली नवमी भड़रिया नवमी के पर्व पर इस वर्ष विवाह मुहूर्त नहीं हैं।

तुअर उपार्जन हेतु 57 पंजीयन केन्द्र निर्धारित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में तुअर उपार्जन के लिए किसानों के पंजीयन के लिए पंजीयन केन्द्रों की संख्या कम होने और किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पंजीयन केन्द्रों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया है। जिले में अब तुअर उपार्जन के लिए किसानों की सुविधा के लिए 57 पंजीयन केन्द्रों का निर्धारण किया गया है। उप संचालक कृषि उमेश कुमार कटहरे ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन विस्तारित केंद्रों पर जाकर अपना पंजीयन करायें। उन्होंने कहा कि पंजीयन कराने से किसानों को अपनी उपज सरकार को बेचने में आसानी होगी और उन्हें उनकी फसल का उचित मूल्य मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि पंजीयन प्रक्रिया सरल रखी गई है। पंजीयन के लिए किसान आवश्यक दस्तावेज जैसे भूमि के कागजात, पहचान पत्र और बैंक खाते की जानकारी के साथ नजदीकी पंजीयन केंद्र पर जाकर अपना पंजीयन करवा सकते हैं। किसान पंजीयन की अंतिम तिथि 20 अप्रैल 2025 निर्धारित है। सभी किसान समय पर अपना पंजीयन अवश्य करा लें, ताकि वे सरकारी उपार्जन योजना का लाभ उठा सकें। नये पंजीयन केन्द्रों की सूची जिले के कृषि विभाग के कार्यालय और संबंधित तहसील कार्यालयों में उपलब्ध है।

सड़क हादसे मे युवक घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र मुंगवानी निवासी युवक पर अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार दी गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रामचंद्र ठाकुर निवासी आलौद गोरखपुर गया हुआ था तभी रास्ते मे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

खेत व खलिहानों मे रखी फसलों पर नुकसान

मौसम ने बदला मिजाज, तेज हवा के साथ हुई बारिश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । रविवार की शाम मौसम ने अपना मिजाज बदल दिया जिससे किसानों की चिंता सातवें आसमान पर पहुंच गई। जिले भर मे कई स्थानों पर तेज आंधी चली जिससे फसलों पर कम नुकसान रहा लेकिन सोमवार को भोर होने के पूर्व से ढके घने बादलों ने अपना रंग दिया और तेज हवा के साथ बारिश हुई। बारिश से किसानों की पक कर तैयार हो चुकी फसलों पर काफी नुकसान देखा जा रहा है। वर्तमान किसानों की फसल कटाई का कार्य जोरों पर है तो कहीं फसल खलिहान मे रखी हुई है। बारिश से इन फसलों पर काफी नुकसान होने की संभावना है। वही सब्जी किसानों के लिये भी बारिश हानिकारक बताई गई।

किसानों के लिये वारिश बरदान या नुकसान

वे मौसम बरस रहे मेघों से किसानो की चिंता बढ़ती हुई नजर आ रही है। सोमवार की सुबह तेज हवा के साथ हुई बारिश ने किसानों की फसलों पर बुरा प्रभाव डाल दिया। नरसिंहपुर जिला कृषि प्रधान जिला है लोगों की आस कृषि पर टिकी होती है। वारिश से किसानों की फसलों पर बुरा असर पड़ रहा है। वर्तमान मे किसानों की फसल पक कर तैयार है जिसमें किसानों की हानि होने की संभावना अधिक नजर आ रही है। अधिकांश किसानों की फसलें खेत व खलिहानों पर रखी हुई है। हालांकि उक्त बारिश से मूंग व गन्ने की फसल पर फायदा होगा।

तेज हवा के साथ हुई बारिश

सोमवार की अलसुबह मेघों से बादल घिरे हुई थे किसानों द्वारा प्रार्थना की जा रही थी की बारिश ना हो लेकिन सूर्य उदय के पूर्व ही मेघों ने असर दिखा दिया और बारिश शुरू हो गई। तेज आंधी के साथ जिले मे कई स्थानों पर तेज बारिश की भी जानकारी प्राप्त हुई है। किसानों की खलिहानों पर रखी फसलों को ढक कर बचाने का कार्य तो कर लिया गया लेकिन खेतो पर रखी फसल खराब होने के आसार बढ़ गया। लोगो की आस है कि मंगलवार को बारिश ना हो तो किसानों को राहत मिल सकती है। वारिश होने से तापमान मे भी गिरावट देखी जा रही है। लेकिन उमस से सभी हलाकन है और लोग पंखे कूलर पर आश्रित है।

सब्जी किसानों के लिये हानि

सब्जी की खेती करने वाले किसानों के लिये बारिश पूरी तरह नुकसान दायक है लहसुन व प्याज मे पानी का बुरा प्रभाव देखने को मिलेगा वही बेगन, टमाटर आदि सब्जियां भी खराब होगी और बाजार मे सब्जी के दामों पर भ वृद्धि होगी, वही हरी सब्जियों पर कीट बढ़ने की संभावना तेज होगी। यदि आगे और बारिश होगी तो सब्जियों के दामो मे तेजी आ सकती है। सब्जी किसानों के लिये बारिश पूरी तरह हानिकारक सिद्ध हो रही है।

इनका कहना है

असमय वारिस हमेशा हानिकारक होती है जिस क्षेत्र मे बारिश अधिक हुई है वहां पर नुकसान है खेत में कटी हुई तथा खलिहानों मे रखी फसलों पर अधिक नुकसान है तथा सब्जी किसानों को भी नुकसान है।

अन्ना धौरेलिया, पूर्व मंडी अध्यक्ष

वारिश से अधिक नुकसान नही है क्योकि ज्यादातर किसानों की फसलों की गहाई हो चुकी है जिस क्षेत्र मे वारिश अधिक हुई है और फसलों खेत व खलिहानों पर पड़ी हुई केवल उसपर ही नुकसान है। वही गन्ना व मूंग की फसल पर फायदा है। सब्जियों पर कीट लगने की संभावना बढ़ जाएगी।

विवेक महाजन, वरिष्ठ किसान

सींगरी नदी के बाबाघाट में हुआ खंती निर्माण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वाधान में सींगरी नदी के बाबाघाट में जल संरक्षण व संबर्धन के लिए खंती- कन्टूर ट्रंच और पौधों में थालों का निर्माण किया गया। यह कार्य नवांकुर संस्था ब्रह्मर्षि वशिष्ठ शिक्षण प्रशिक्षण, सेवा समिति नरसिंहपुर, यू-साथी समिति नरसिंहपुर, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति डोंगरगांव एवं वार्ड विकास प्रस्फुटन समिति राजीववार्ड के संयुक्त प्रयासों से किया गया। इस दौरान जल चैपाल कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के जिला समन्वयक जयनारायण शर्मा ने बताया कि वर्तमान में राज्य शासन द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चला रही है। इसके माध्यम से जल संरचनाओं की साफ- सफाई व नवीन संरचनाओं का निर्माण तथा जल स्त्रोतों की स्वच्छता व संरक्षण के साथ जल के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर नवांकुर संस्थाओं ब्रह्मर्षि वशिष्ठ शिक्षण प्रशिक्षण एवं सेवा समिति के आनंद दुबे, यू-साथी समिति की श्रीमती तृप्ती पारे व प्रमोद पारे, नवांकुर संस्था डोंगरगांव- अन्डिया के मनीष रजक, प्रकाश पटेल एवं वार्ड विकास प्रस्फुटन समिति राजीववार्ड के पवन पाठक, वृंदा शर्मा, सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के परामर्शदाता और अन्य नागरिक मौजूद थे।

चलती वाइक में युवक घायल पर हमला

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस आमगांव से नरसिंहपुर आ रहे युवक पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा धार धार हथियार से हमला कर दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आदित्य पिता कमल जाटव निवासी आमगांव डॉ भीमराव अंबेडकर जंयती कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नरसिंहपुर जिला मुख्यालय आ रहा था तभी कठोतिया के पास अज्ञात व्यक्ति द्वारा चलती वाइक में धार धार हथियार से हमला कर दिया। जिसे अन्य साथियों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर कर दिया।

याद किए गए संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस ने संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मना कर उनको श्रद्धांजलि देते हुए उनके आदर्शों सिद्धांतों पर चलने का आह्वान किया गया। बैल बाजार में डॉक्टर अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत ने कहा कि देश के संविधान को तैयार करने के साथ देश की आजादी और राष्ट्र के विकास में डॉक्टर अंबेडकर की योगदान को देशवासी कभी भुला नहीं पाएंगे। पूर्व विधायक सुनील जायसवाल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष पंडित मैथिलीशरण तिवारी, वरिष्ठ नेता लखन सिंह पटेल, डॉ संजीव चांदोकर, नरसिंहपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अमित राय गोलू, करेली ब्लॉक अध्यक्ष राम रतन पटेल के अलावा अन्य पदाधिकारी ने कहा कि भाजपा हमेशा से डॉक्टर अंबेडकर का अपमान करती आई है। मात्र दिखावे के लिए भाजपा अंबेडकर को याद करती है। इस अवसर पर भगवंत सिंह जाट, वीरू पाठक, देवेंद्र शुक्ला, मनीष साहू, संतोष शुक्ला, सुनील राय मिक्की, राजा ठाकुर, सुनील पाली, राजेश तिवारी, काजल सोने लाल, राजकुमार नेमा, महेंद्र पटेल, सोहन रैकवार, राजीव मसीह , कैलाश नोरिया, यासीन मनचला, बबलू खान, गोपाल दास मरेले बृजेंद्र ठाकुर राजू मास्टर राजकुमार पटेल मुनीम अरविंद स्वामी के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद थे।

विशेष माफी देकर 10 बंदी रिहा

हरिभूमि न्यूज। नरसिंहपुर। सोमवार को डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश शासन, जेल मुख्यालय भोपाल के दिशा निर्देशानुसार मध्यप्रदेश की सम्पूर्ण जेलों से सजा में छूट/परिहार देकर बंदियों को रिहा किया जाता है। इस अवसर पर केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में निरूद्ध बंदियों जो कि आजीवन कारावास की सजा से दंडित 10 बंदियों को सजा में छूट एवं परिहार का लाभ प्रदाय कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए फूलमाला एवं श्रीफल भेंट कर रिहा किये गये। सभी बंदी भाईयों ने रिहा होने वाले साथियों को सदा खुश रहने एवं उनकी उज्जवल भविष्य की दुआऐं देकर विदा किये। जेल अधीक्षक ने रिहा हो रहे सभी बंदियों को अपराध से दूर रहने कि शपथ दिलाई गयी।

नही बंद हो पा रही अवैध कटाई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा वनों को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है लेकिन वन विभाग के गैरजिम्मेदार कर्मचारियों की लापरवाही के कारण वनों की कटाई पर रोक नही लग पा रही है। वही वन परिक्षेत्र नरसिंहपुर की सिंगोड़ी बीट पर में सागौन के 5-6 वृक्ष कट पाये गये वही वन विभाग के कर्मचारियों को इसकी भनक भी नही है। डुंगरिया घाट के पास टेड़े सागौन से पश्चिम दिशा में अज्ञात लोगों द्वारा सागौन को काटा गया। लेकिन उठाकर नही ले जाया गया। वन कर्मियों की लापरवाही के कारण वनों की प्रतिदिन कटाई होती रहती है।

शोकाकुल परिवार में पहुंची सांसद लता वानखेड़े

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत 10 अप्रैल को समीपी ग्राम सिहपुर निवासी राजपूत परिवार की वयोवृद्ध माता श्रीमती मानकी देवी राजपूत का निधन हो गया। आप डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर दिवाकर सिंह राजपूत की माता जी और प्राचार्य श्रीमति कला सिंह राजपूत की सासु माँ थी। उनके निधन पर सागर सांसद लता बानखेड़े द्वारा उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि परिवार में माता-पिता और बुजुर्गों की उपस्थिति से परिवार में खुशहाली बनी रहती है. उनके मार्गदर्शन और आशीर्वाद से समृद्धि आती है। श्रीमती मानकी देवी मातृत्व और प्यार की प्रतिमूर्ति थीं. उनमें उन्होंने हमेशा माँ का स्वरुप देखा और उनसे प्यार पाया उनका जाना एक अपूरणीय क्षति है. सांसद ने कहा कि यह विचित्र संयोग की बात है कि पिता तुल्य डॉ कैलाश सिंह राजपूत और माँ तुल्य श्रीमती मानकी कैलाश सिंह का देहावसान एक ही तिथि चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को हुआ. उन्होंने श्रद्धांजलि देते हुए पूरे परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं. इस अवसर पर उनके साथ श्रीमती आशा सिलाकारी, रेखा राजपूत आदि लोगों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अंबेडकर जयंती पर पक्षियों के लिए लगाए 1111 सकोरा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। एक ओर जहाँ संविधान निर्माता डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर नेताओं ने मालाएं पहनाकर या बाइक रैली निकाल कर खना पूर्ति की वहीं नो फिकर संस्था ने हमेशा की तरह नवाचार करते हुए अपने अनूठे अंदाज में संविधान निर्माता डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर अपनी राम राज्य फिल्म की सफलता का जश्न मनाते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए 1111 सकोरा लगाए जिसमें मध्य प्रदेश के 29 जिलों के सदस्यों ने इस पहल में शामिल होते हुए डॉ. भीम राव अम्बेडकर को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

अत्यधिक केमिकलों के प्रयोग से क्षीण हो रही जमीनी उर्वरा शक्ति

तेंदूखेड़ा । मंहगाई के इस दौर में खेती को लाभ का धंधा बनाने की चाहत और फिर लागत मूल्य निकालनें के चक्कर में खेतों में डलने वाले जहरीले कीटनाशकों की वजह से ना केवल जमीन की उर्वरक क्षमता बुरी तरह से प्रभावित हो रही है वहीं मानव शरीर पर भी इसके गहरे प्रभाव पड़ रहें हैं।इस व्यवस्था में यदि किसानों ने बदलाव नहीं किया तो आने वाले समय में इसके दुष्प्रभाव से खतरे ही खतरे हैं।

जमीन में हो रही पोषक तत्वों की कमी

जमीन के पोषक तत्वों में लगातार हो रही कमी इसके ज्वलंत उदाहरण है और मानव जीवन में विभिन्न प्रकार की गंभीर बीमारियां प्रमाण है। पहले कभी जमीन को वर्ष में एक या दो बार ही जमीन को जोता जाता था लेकिन अब वर्ष में तीन बार जमीन जोतने के चक्कर और अधिक उत्पादन को लेकर मूंग जैसी फसल में तीन से पांच स्प्रे से जिस तरह से जहर के बीच फसलों का उत्पादन हो रहा है यह विषय तत्काल के लाभ की दृष्टि से तो ठीक है लेकिन इसके दूरगामी परिणाम और मानव सेहत पर गंभीर परिणाम निकलकर सामने आ रहे हैं।कैंसर और साइलेंट अटैक जैसे अनेक उदाहरण सामने है।इस विषय को लेकर हमारे प्रतिनिधि को जानकारों ने अपनी अपनी प्रतिक्रियाएं दी है।

नैनो टेक्नोलॉजी अच्छा माध्यम

रासायनिक कीटनाशकों खाद्यों के उपयोग को कम करने की दिशा में प्रचार प्रसार कृषि विभाग की तरफ से चल रहा है। इसके ही एक नैनों टेक्नोलॉजी आई है नेनो फास्फोरस और डी ए पी जो जमीन की बजाय केवल पौधे पर ही अपना प्रभाव छोड़ती है। आने वाले समय में मानव जीवन को अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए जैविक और प्राकृतिक खेती पर अधिक ध्यान देना होगा। इसके लिए भी कुल जमीन का दस प्रतिशत भाग में केवल जैविक और प्राकृतिक खेती करने के लिए जोर दिया जा रहा है जब इसके उत्कृष्ट परिणाम सामने निकलकर सामने आयेंगे तो कृषक स्वयं यह खेती करने लगेगा। इसका भविष्य भी बहुत सुंदर है।हम देख रहे हैं कि जो सब्जियां केवल वर्ष में एक बार ही अपने अनुकूल सीजन पर आया करतीं थीं अब वह वर्ष भर हमें देखने को मिल रही है केमिकल और हाईब्रिड बीज ही है।स्प्रै कीटनाशकों का छिड़काव ही है। कृषकों को अब नाडेप केंचुआ खाद देशी गोबर गौ मूत्र खाद प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ना पड़ेगा।जब तक कृषक स्वयं जागृत नहीं होगा तब तक कुछ संभव नहीं है।

मृदा परीक्षण केंद्र प्रारंभ हो

कृषि उपज मंडी परिसर में मृदा परीक्षण केंद्र तो लगभग दो दशक पूर्व यहां पर मृदा परीक्षण केंद्र खोला गया गया था लेकिन आज तक शुरू नहीं हो सका। चूंकि प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर मिट्टी की जांच पड़ताल हेतु तत्कालीन केंद्र सरकार द्वारा यह केंद्र खुलवाये गये थे जिनका संचालन भी केंद्र से ही होना था लेकिन आज तक वह मूर्त रुप नहीं ले सका है। क्षेत्र के कृषकों विकास खंड क्षेत्र में ही मिट्टी परीक्षण की व्यवस्था हो।

उत्साह के साथ मनाई गई अंबेडकर जयंती

गोटेगांव। नगर में बीते दिवस भारत रत्न डॉक्टर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के 134 में जन्म जयंती समारोह दिन सोमवार 14 अप्रैल 2025 जय भीम समिति द्वारा समस्त नगर वासी ग्रामवासी एवं बच्चों के द्वारा उनका जन्म दिवस धूमधाम से मनाया गया इस कार्यक्रम में बाबा साहब अंबेडकर के संघर्ष भरे जीवन और बचपन से ही जातीय भेदभाव का सामना करते हुए अपने जीवन में शिक्षा को अपना हथियार बनाया और स्कूली शिक्षा समाप्त कर कोलंबिया यूनिवर्सिटी और लंदन स्कूल से इकोनॉमिक्स में शिक्षा प्राप्त की आप भारत के संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष थे और उन्होंने एक ऐसा संविधान तैयार किया जिसमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की भावना थी उन्होंने छुआछूत,जातिवाद और सामाजिक अन्याय के खिलाफ जीवन भर संघर्ष किया उन्होंने समाज के हर वर्ग विशेष कर महिलाओं की शिक्षा, नैतिकता,गरिमा और लैंगिक समानता के लिए अभूतपूर्व तरीके से आवाज उठाई और इसके परिणाम स्वरूप 1955 में हिंदू कोड बिल लाया गया आज हम महिलाओं को जो अधिकार और सम्मान मिला है वह बाबा साहब की ही देन है और आज के दिन हम उन्हें शत-शत नमन करते हैं बाबा साहब उन्हीं के हैं जो लोकतंत्र पर भरोसा करते हैं और उन सभी के हैं जिन्हें सबका साथ सबका विकास के महामंत्र पर भरोसा है जय भीम इस कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने हेतु मणिनागेंद्र सिंह फाऊंडेशन के सचिव सरदार सिंह पटेल गोटेगांव,विधायक महेंद्र नागेश पूर्व विधायक हाकम सिंह चढ़ार, पूर्व विधायक शेखर चौधरी, श्रीमती स्नेह लता श्रीवास्तव,श्रीमती अनीता राज ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अभिषेक पटेल , जिला पंचायत सदस्य राजेश झारिया , पूर्व जनपद सदस्य अशोक आशीर्वाद गोहचर,बिहारी लाल चंदोरिया पूर्व पार्षद, गौरी शंकर सिलावट जिला अध्यक्ष, सिलावट समाज ,डॉ संदीप चौधरी, डॉ चेत सिंह चौधरी,इंद्रजीत चौधरी, दिनेश चौधरी, अमित चौधरी एवं शुभम छिरा सहित सभी नागरिक उपस्थित रहे।